ज़ी के बोर्ड में बदलाव पर स्पष्टता की मांग

देव चटर्जी और चिराग मडिया
मुंबई, 15 सितंबर

ज़ी एंटरटेनमेंट में बहुलांश हिस्सेदारी रखने वाले संस्थागत निवेशक अब इन्वेस्को फंड के कंपनी के निदेशक मंडल में बदलाव को लेकर ज्यादा स्पष्ट जानकारी की मांग कर रहे हैं और उनका कहना है कि अगर योजना ठीक होगी तभी वे अपना समर्थन देंगे। बड़े निवेशक शीर्ष पदों पर निरंतरता कायम रखने को ही तरजीह देते हैं ताकि कंपनी के परिचालन में कोई बाधा न आए।

एक म्युचुअल फंड के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है, 'इस पर कुछ कहना काफी जल्दबाजी होगी। हम लोग भी इस मसले पर इन्वेस्को फंड के साथ जा रहे हैं। हम यह भी देखेंगे कि कंपनी का नेतृत्व शीर्ष स्तर पर कौन करेगा अगर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को पद से हटा दिया जाता है। नेतृत्व की भूमिका को लेकर चिंता है क्योंकि यह एक मीडिया कंपनी है न कि कोई विनिर्माण कंपनी।' उन्होंने कहा, 'हम यह मानते हैं कि कंपनी के पास मजबूत बिजनेस मॉडल है और एक बार नए प्रबंधन के आने से शेयरों की दोबारा रेटिंग होगी।' संस्थागत निवेशक इस संघर्ष की चाबी अपने हाथ में रखते हैं क्योंकि ज़ीएल में इनकी हिस्सेदारी 78 फीसदी है। सरकार के स्वामित्व वाली बीमा कंपनियों के पास यह हिस्सेदारी करीब 10 फीसदी है।

इन्वेस्को डेवलपिंग मार्केट्स फंड (पहले इन्वेस्को ओपनहाइमर डेवलपिंग मार्केट फंड) और ओएफआई ग्लोबल चाइना फंड एलएलसी ने मौजूदा प्रबंध निदेशक और सीईओ पुनीत गोयनका को हटाने और निदेशक मंडल में नॉमिनी के तौर पर छह निदेशकों की नियुक्ति की मांग की है जिनकी कंपनी में हिस्सेदारी 18 प्रतिशत तक है।

दो प्रतिनिधि सलाहकारी कंपनियों, इनगवर्न और आईआईएएस ने प्रवर्तकों से कॉरपोरेट प्रशासन में खामियों की ओर इशारा किया था जिनके पास केवल 4 फीसदी हिस्सेदारी है और प्रबंध निदेशक के स्तर से नीचे ज़ी में सभी प्रमुख विभागों में एक अच्छी पेशेवर टीम है। अब महत्वपूर्ण सवाल यह है कि अगर गोयनका ज़ी छोड़ते हैं तो क्या यह टीम बनी रहेगी?'

एक निवेशक ने कहा, 'हमारे विचार से गोयनका अच्छे प्रबंध निदेशक रहे हैं और उन्होंने निवेशकों से जुड़ी सभी चिंताओं का समाधान भी किया है। उन्हें एक ऐसे पेशेवर के रूप में देखा गया जिन्होंने घाटा वाले चैनलों मसलन स्पोर्ट्स को हटाकर मूल कारोबार पर ध्यान दिया और क्षेत्रीय स्तर पर टीवी चैनलों की शुरुआत की। उन्होंने चैनलों के भविष्य ओटीटी पर भी ध्यान दिया जिसमें कम लागत वाली रणनीति हो सकती है और पेशेवरों को जगह दी।'

इस बीच ज़ी एंटरटेनमेंट के शेयरधारकों ने मंगलवार को हुई सालाना आम बैठक (एजीएम) में सभी प्रस्तावों के पक्ष में मतदान किए। वोटिंग के नतीजों के मुताबिक ऑडिट के नतीजे, लाभांश का भुगतान, स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्तियों से जुड़े प्रस्ताव अपेक्षित बहुमत के साथ पारित किए गए। स्वतंत्र निदेशकों में साशा मीरचंदानी और विवेक मेहरा को शामिल किए जाने का प्रस्ताव भी मंजूर हो गया।

निवेशकों की मांग

- अगर योजना का ब्योरा सही तरीके से दिया गया तभी बड़े निवेशक इन्वेस्को का समर्थन कर सकते हैं
- बड़े निवेशक चाहते हैं की शीर्ष पदों पर बदलाव न करने से कंपनी के परिचालन में भी बाधा नहीं आती
- ज़ीईएल में संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी 78 फीसदी है
- सरकारी स्वामित्व वाली बीमा फर्मों के पास यह हिस्सेदारी करीब 10 फीसदी है

सरकार बेचेगी हिंदुस्तान कॉपर की 10 फीसदी हिस्सेदारी

निकुंज ओहरी
नई दिल्ली, 15 सितंबर

केंद्र सरकार ऑफर फॉर सेल के जरिये हिंदुस्तान कॉपर की 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी और इस कदम से विनिवेश प्राप्ति के तौर पर सरकार को 1,120 करोड़ रुपये हासिल होंगे।

सरकार इस कंपनी की 5 फीसदी हिस्सेदारी यानी 4.83 करोड़ शेयर गुरुवार व शुक्रवार को बेचेगी। इसका फ्लोर प्राइस बुधवार के बंद भाव के मुकाबले 7 फीसदी कम रखा गया है यानी यह सात फीसदी छूट पर उपलब्ध होगा। इस ओएफएस में 5 फीसदी अतिरिक्त शेयरधारिता बेचने का विकल्प भी है।

10 फीसदी हिस्सेदारी बिक्री से सरकार को तय फ्लोर प्राइस पर 1,122 करोड़ रुपये मिलेंगे और यह कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी घटाकर 62.76 फीसदी पर ले आएगा।

यह पेशकश संस्थागत निवशकों के लिए गुरुवार को खुलेगा और कम से कम 25 फीसदी हिस्सा म्युचुअल फंडों व बीमा कंपनियों के लिए आरक्षित होगा, लेकिन जरूरी है कि इसके लिए वैध बोली 116 रुपये से ऊपर लगाई गई हो। कम आवेदन मिलने पर न बिकने वाला शेयर गैर-खुदरा श्रेणी के अन्य बोलीदाताओं को उपलब्ध करा दी जाएगी।

यह पेशकश खुदरा निवशकों के लिए शुक्रवार को खुलेगी। पेशकश के आकार का करीब 5 फीसदी कंपनी के कर्मचारियों के लिए आरक्षित होगा और पात्र कर्मी 5 लाख रुपये तक के शेयर के लिए आवेदन कर सकेंगे।

यह तीसरा मौका है जब सरकार मौजूदा वित्त वर्ष में ओएफएस के जरिए अपनी हिस्सेदारी बेच रही है। पहले व दूसरे मौके के तहत उसने एनएमडीसी व हुडको की हिस्सेदारी बेची थी ताकि 1.75 लाख करोड़ रुपये के विनिवेश का लक्ष्य हासिल कर सके। अभी तक सरकार ने एनएमडीसी और हुडको के ओएफएस और ऐक्सिस बैक की हिस्सेदारी बेचकर 8,369 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

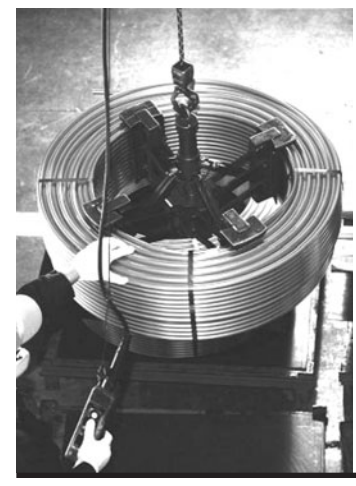

- सरकार को इस बिक्री से 1,120 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है
- इसकी फ्लोर प्राइस 116 रुपये तय की गई है, जो बुधवार के बंद भाव के मुकाबले 7 फीसदी कम है
- अभी तक सरकार ने एनएमडीसी और हुडको के ओएफएस और ऐक्सिस बैक की हिस्सेदारी बेचकर 8,369 करोड़ रुपये जुटाए हैं

वैश्विक बाजारों के साथ भारत में आईफोन 13 पेश

पृष्ठ-1 का शेष

फोन आयात होकर भारत पहुंचने पर उसकी जो लागत होती है, उसका करीब 44 फीसदी कर उस पर लगा दिया जाता है। इसमें 22 फीसदी बुनियादी सीमा शुल्क लगाया जाता है और उसे लगाने के बाद मिली कीमत पर 18 फीसदी जीएसटी लगा दिया जाता है। यही वजह है कि उद्योग के अनुमानों के मुताबिक भारत में 10 में से 7 आईफोन तस्करी के जरिये ही आते हैं। यह स्थिति तब है, जब कंपनी के 70 फीसदी हैंडसेट का उत्पादन उसकी वेंडर फॉक्सकॉन और विस्ट्रॉन भारत में ही कर रही हैं।यह बात भी है कि वैश्विक स्तर पर पेश किए जाने वाले फोन का भारत में उत्पादन कुछ समय बाद शुरू होता है। हालांकि यह अंतर अब कम हो गया है। मसलन देश में सबसे ज्यादा बिकने वाला मॉडल आईफोन 11 सितंबर 2019 में पेश किया गया था मगर भारत में उसका उत्पादन जून-जुलाई 2020 में शुरू हो सका। किंतु पिछले साल अक्टूबर में पेश आईफोन 12 इस साल मार्च से ही देश में बनना शुरू हो गया। इससे उत्पाद की कीमतें घटाने में मदद मिलती है। मगर कलपुर्जों का अब भी आयात होता है।

उद्योग संगठन इंडिया सेल्युलर ऐंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन ने तस्करी का मसला उठाया है और सरकार से लागत एवं मालभाड़े के साथ 20,000 रुपये कीमत वाले फोन पर कुल 4,000 रुपये शुल्क लगाने की मांग की है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी इस बात का समर्थन किया है। उसका अनुमान है कि 50,000 रुपये से अधिक कीमत वाले फोन का ग्रे बाजार बढ़ने से सरकार को हर साल 2,400 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। लेकिन सूत्रों के मुताबिक वित्त मंत्रालय ने अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है।

एचयूएल में 20 फीसदी की तेजी की उम्मीद

निकिता वशिष्ठ
नई दिल्ली, 15 सितंबर

अगस्त के शुरू से 20 प्रतिशत तेजी दर्ज करने के बाद हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) के शेयर ने पिछले सोमवार को नई ऊंचाई को छुआ, जो सेंसेक्स में आई 10 प्रतिशत तेजी का दोगुना है।

हालांकि विश्लेषक उत्साहित हैं और उन्हें शेयर में अच्छी तेजी आने की संभावना है। जहां कई विश्लेषक इस शेयर में एक अंक की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं कुछ का मानना है कि यह मौजूदा स्तरों से 20 प्रतिशत तक चढ़ सकता है।

कुल मिलाकर, 9 सितंबर को सालाना निवेशक बैठक के बाद एचयूएल पर सुझाव देने वाले 20 में से 17 विश्लेषकों ने इसे 'बाई/एड/एक्युमुलेट/आउटपरफॉर्म' रेटिंग दी है, जबकि तीन ने 'होल्ड' रेटिंग दी है।

यहां एचयूएल के बारे में कुछ ब्रोकरों की राय पेश की जा रही है:

मोतीलाल ओसवाल सिक्योरिटीज

पिछले दशक में, एचयूएल की बिक्री सालाना आधार पर 9 प्रतिशत की दर से बढ़ी है और एबिटा मार्जिन 1,000 आधार अंक तक बढ़ा है। ब्रोकरेज का कहना है कि कमजोर ग्रामीण वृद्धि, नोटबंदी, जीएसटी की पेशकश और कोविड-19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद यह तेजी दर्ज की गई।

ऐंटीक स्टॉक ब्रोकिंग

ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि एचयूएल ने जीएसके पोर्टफोलियो के बैक-एंड सिस्टम का सफलतापूर्वक समेकन किया है और वह वर्ष 2021 की समाप्ति तक वितरण चेन को समेकित करने की दिशा में तेजी से बढ़ रही है। इससे एचएफ डी की प्रत्यक्ष वितरण पहुंच दोगुना हो जाएगी और ग्रामीण कवरेज में 10 गुना तक का इजाफा होगा। एचयूएल ने स्किन क्लींजिंग, फब्रिक केयर और चाय की कीमतों में इजाफा किया है।

जेएम फाइनैंशियल

दो अंक की वृद्धि को लेकर प्रतिबद्धता पोषण श्रेणी का योगदान दोगुना करने की स्पष्ट रणनीति के साथ पुन: दोहराई गई है। जेएम फाइनैंशियल के अनुसार विभिन्न पेशकशों से मदद मिली है। हॉर्लिक्स ब्रांड भी पोषण संबंधित दक्षताओं के साथ प्रभावी वृद्धि के लिए मजबूत बना हुआ है। मार्जिन को लेकर भी जेएम फाइनैंशियल का कहना है कि उसके आंकड़े से पता चलता है कि 180-230 आधार अंक के मध्यावधि पोषण संबंधित मार्जिन लक्ष्य की राह आसान हुई है।

कोटक सिक्योरिटीज

ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि एचयूएल श्रेष्ठ उत्पादों, बाजार विकास, सामान्य व्यापार के डिजिटलीकरण, ई-कॉमर्स और आधुनिक कारोबार आदि पर लगातार ध्यान दे रही है। कंपनी अपनी टेक-आधारित बौद्धिक उद्यम की राह में बड़ा बदलाव ला रही है।

नोमुरा

रेटिंग एजेंसी के अनुसार, डिजिटल पेशकश में कदम रखने के साथ एचयूएल न सिर्फ प्रतिस्पर्धा करने बल्कि डिजिटल-फर्स्ट/डी2सी (डायरेक्ट-टु-कंज्यूमर) उत्पादों के संदर्भ में भी बढ़त हासिल करने को तैयार है। नोमुरा का कहना है कि उसे सकल मार्जिन दबाव अस्थायी रहने की संभावना है, क्योंकि एचयूएल ने लगातार कीमतें बढ़ाई हैं।

प्रभुदास लीलाधर

ब्रोकरेज का कहना है कि एचयूएल द्वारा उपभोक्ताओं को किफायती उत्पाद मुहैया कराने की रणनीति से प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल होगी। पूरी आपूर्ति शृंखला में तकनीकी इस्तेमाल पर जोर दिए जाने से भी उसके बिजनेस मॉडल को ताकत मिलेगी।

एमके ग्लोबल

एचयूएल का प्रबंधन मध्यावधि परिदृश्य पर आशान्वित है और उसने दो अंक की ईपीएस वृद्धि का लक्ष्य रखा है। कंपनी लगातार मजबूत लागत बचत पर जोर दे रही है और उसे जीएसके से जुड़े तालमेल से अन्य 3-4 प्रतिशत मार्जिन वृद्धि होने की संभावना है।

यूको बैंक UCO BANK
सम्मान आपके विश्वास का
(भारत सरकार का उपक्रम)

प्रधान कार्यालय - II,
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
3 और 4, डी डी ब्लॉक, सेक्टर -I,
साल्ट लेक, कोलकाता - 700064

निविदा की सूचना

यूको बैंक निम्नलिखित मदों के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आर.एफ.पी.) आमंत्रित करता है :-

1. ओपेक्स मॉडल पर बैंक के उपभोक्ता के लिए डायनामिक क्यू आर कोड उत्पत्ति और जी एस टी (GST) एकीकरण हेतु ऑनलाइन लेखा-विधि संप्रयोग की पद्स्तापना के लिए आवेदन हेतु प्रस्ताव (पुन:निविदा)।
2. बैंक में कैपेक्स मॉडल पर ईएएसई (EASE) बैंकिंग आउटलेट की क्रियान्वयन हेतु आवेदन के लिए प्रस्ताव।

दिनांक : 16.09.2021 उप महाप्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, बीपीआर एवं बीटीडी)

सम्मान आपके विश्वास का

SBI
कॉर्पोरेट सेन्टर, स्ट्रेस्ड अॅसेट रिझोल्यूशन ग्रुप,
21वीं मंजिल, ई विंग, मेकर टावर, कफ़ परेड, मुंबई - 400 005

ई-निलामी द्वारा बैंकों/एआरसी/एनबीएफसी/एफआई को वित्तीय आस्तियों का विक्रय

भारतीय स्टेट बैंक वित्तीय आस्तियों के विक्रय के लिए ई-निलामी द्वारा बैंकों/एआरसी/एनबीएफसी/एफआई से बोलियाँ आमंत्रित करता है. ऐसी वित्तीय आस्तियों, जिन्हें बैंक द्वारा समय-समय पर प्रदर्शित किया जाना है, के क्रय हेतु बोली लगाने में रुचि रखने वाले बैंकों/एआरसी/एनबीएफसी/एफआई बैंक के साथ एक अप्रकटीकरण अनुबंध के निष्पादन के पश्चात इस बोली प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं, यदि वह पहले से निष्पादित नहीं है. बैंक के साथ अप्रकटीकरण अनुबंध के निष्पादन एवं अन्य पूछताछ, यदि कोई हो, के लिए ऐसे इच्छुक बैंक/एआरसी/एनबीएफसी/एफआई ई-मेल आईडी **dgm.sr@sbi.co.in** पर संपर्क कर सकते हैं.

भारतीय स्टेट बैंक बैंकों/एआरसी/एनबीएफसी/एफआई से अपनी अनर्जक आस्तियों (एनपीए), जिनमें (04) वित्तीय आस्तियाँ शामिल है और कुल बकाया रु. 90.76 करोड़ है, के प्रस्तावित विक्रय के लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित करता है. इच्छुक प्रत्याशित बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे एक ''अभिरुचि की अभिव्यक्ति'' के माध्यम से ई-निलामी में भाग लेने की अपनी इच्छा से हमें अवगत करवाएँ. अधिक जानकारी के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट **https://bank.sbi** पर विज़िट करें और यहाँ दी गई लिंक in the News>Auction Notice>ARC AND DRT पर क्लिक करें.

जारीकर्ता
स्थान: मुंबई उप महाप्रबंधक
दिनांक: 16.09.2021 (एआरसी)

ODISHA GRAMYA BANK
always with U
Information Technology Department
Head Office: Gandamunda, P.O.: Khandagiri, Bhubaneswar-751030 (Odisha)

Odisha Gramya Bank invites application for selection of vendor for AMC of desktops and peripherals. For details and application format please visit Bank's website : **www.odishabank.in, RFP Ref. No. OGB/RFP/ITD/HARDWARE/008/2021-22 Dated 16th September 2021.** Last Date of Submission of Application: **16th October 2021 on or before 15:00 hours** through e-procurement process.

General Manager

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
आन्ध्रा Andhra कार्पोरेशन Corporation

कॉर्पोरेट संप्रेषण, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई 400 021

क्रिएटिव एवं मीडिया एजेंसी के चयन के लिए आरएफ़पी

यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया ने क्रिएटिव एवं मीडिया एजेंसी के चयन के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किया है. पात्रता मानदंडों और निविदा दस्तावेजों से संबंधित विस्तृत जानकारी बैंक की वेबसाइट **www.unionbankofindia.co.in** तथा एनआईसी पोर्टल **www.eprocure.gov.in** पर उपलब्ध है. निविदा प्रस्तुति की अंतिम तारीख **06.10.2021** के **17.00 बजे** तक है.

''परिशिष्ट/शुद्धि-पत्र'' यदि कोई है, तो निविदा प्रभाग के तहत केवल बैंक की वेबसाइट अर्थात **www.unionbankofindia.co.in** पर जारी किया जाएगा.

महाप्रबंधक (सीसी)

ई-नीलामी बिक्री सूचना
जेएमडी ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड (परिसमापन में)
रजि. कार्यालय: 5/24 रमेश नगर नई दिल्ली-110015
परिसमापक: शालू खन्ना
परिसमापक पता: एलजीएफ, ए-16/9, वसंत विहार, नई दिल्ली-110057
ईमेल: JMD.LIQ@LLCA.NET; संपर्क नंबर- 9810193715
ई-नीलामी
दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के तहत परिसंपत्तियों की बिक्री
नीलामी की तिथि और समय: 14 अक्टूबर, 2021 पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे तक (प्रत्येक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

आदेश तिथि 03.02.2021 के माध्यम से माननीय राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण, प्रधान पीठ, नई दिल्ली द्वारा नियुक्त परिसमापक द्वारा जेएमडी ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड के परिसमापक के कब्जे में **जेएमडी ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड** (परिसमापन में) के स्वामित्व की परिसंपत्तियों तथा सम्पत्तियों की बिक्री। अधोहस्ताक्षरी द्वारा यह बिकी ई-नीलामी प्लेटफार्म **https://ncltauction.auctiontiger.net.** द्वारा की जाएगी।

लॉट	संपत्ति और संपत्ति का प्रकार	आरक्षित मूल्य	ईएमडी	वृद्धिशील
1	भूमि और भवन एवं संयंत्र और मशीनरी	92,00,00,000	9,20,00,000	10,00,000
1.1.	सर्वेक्षण संख्या- 320, ग्राम- भीमासर, भीमासर रेलवे स्टेशन के सामने, गांधीधाम- 370201, गुजरात में स्थित भूमि और भवन 122.18 एकड़ क्षेत्रफल वाली भूमि हभौतिक माप के अनुसार भवन और अन्य शेड संरचनाओं का कुल निर्माण क्षेत्र लगभग 33,199 वर्गमीटर यानी 357,359 वर्गफुट			
1.2	इन्वेंटरी, कार्यालय उपकरण, फर्नीचर और फिक्स्चर सहित संयंत्र और मशीनरी)			
2	वाहन	13,50,000	1,35,000	5,000
3	समेकित लॉट 1 और लॉट 2	92,00,00,000	9,20,00,000	10,00,000
4	टैंकर	78,000	8,000	500
5	टैंकर	60,500	6,000	500
6	टैंकर	62,000	6,000	500
7	टैंकर	62,000	6,000	500
8	टैंकर	71,000	7,000	500
9	टेंपो (टाटा)	51,500	5,000	500
10	टेंपो (टाटा)	51,500	5,000	500
11	टेंपो (टाटा)	51,500	5,000	500
12	बस (टाटा)	74,000	7,500	500
13	महिंद्रा बोलेरो	75,200	7,500	500
14	कार - वर्ना	48,000	5,000	500
15	कार - बीएमडब्ल्यू	4,19,000	50,000	500
16	कार - मारुति स्विफ्ट	63,000	6,000	500
17	कार - मारुति स्विफ्ट	63,000	6,000	500
18	कार - मारुति स्विफ्ट	63,000	6,000	500
19	कार - टोयोटा इटियोस	47,500	4,500	500
20	मोटर साइकिल	2,850	500	200
21	मोटर साइकिल	2,750	500	200
22	स्कूटर	2,750	500	200

ई-नीलामी के नियम और शर्तें इस प्रकार हैं:
1. ई-नीलामी अनुमोदित सेवा प्रदाता मैसर्स ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (ऑक्शन टाइगर) के माध्यम से ''जैसी है'' ''जहां है'' ''जो है'' के आधार पर आयोजित की जाएगी।
2. संभावित बोलीदाता 29 सितंबर, 2021 से 01 अक्टूबर, 2021 तक प्रातः 11.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक संपत्ति/परिसंपत्तियों का निरीक्षण कर सकते हैं और निविदा इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से वेब पोर्टल **https://ncltauction.auctiontiger.net** पर ऑनलाइन जमा की जा सकती है। और निविदा दस्तावेजों की हार्ड कॉपी सीलबंद लिफाफे में 12 अक्टूबर, 2021 को या उससे पहले शाम 05:00 बजे तक जमा की जानी है।
3. संपत्ति का विवरण, ऑनलाइन ई-नीलामी बोली फॉर्म, घोषणा और अंडरटेकिंग फॉर्म, ऑनलाइन नीलामी बिक्री के सामान्य नियम और शर्तें युक्त पूर्ण ई-नीलामी प्रक्रिया दस्तावेज वेबसाइट **https://ncltauction.auctiontiger.net.** पर उपलब्ध है। **संपर्क: श्री प्रवीण कुमार +91-9722778828/079 6813 6855/854 ई-मेल:praveen.thevar@ auctiontiger.net, nclt@auctiontiger.net**
4. परिसमापक के पास किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने या ई-नीलामी को टालना/स्थगित/रद्द करने या किसी भी स्तर पर नीलामी की कार्यवाही से किसी भी संपत्ति या उसके हिस्से को बिना कोई कारण बताए वापस लेने का पूर्ण अधिकार है।

शालू खन्ना
परिसमापक
दिनांक: सितम्बर 15, 2021
स्थान: नई दिल्ली
IBBI/IPA-001/IP-P00917/2017-2018/11523

इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
IndiaShelter Home Loans
पंजीकृत कार्यालय: छठी मंजिल, प्लॉट नंबर 15, सेक्टर - 44, इंस्टीट्यूशनल एरिया, गुरुग्राम, हरियाणा 122002; दूरभाष: 0124-4131800; सीआईएन: U65922HR1998PLC042782; वेबसाइट: https://www.indiashelter.in; ईमेल: mukti.chaplot@indiashelter.in

संयुक्त सार्वजनिक सूचना

गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी-हाउसिंग फाइनेंस कंपनी रिजर्व बैंक निदेश, 2021 के मास्टर निदेश के पैरा 47 के अनुसार एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (**''कंपनी''**) के मौजूदा शेयर धारक जैसे कि सिकोइया कैप्टिल इंडिया ग्रोथ इन्वेस्टमेंट्स I और सिकोइया कैप्टिल इंडिया ग्रोथ इन्वेस्टमेंट्स III (**''सेलर्स''**) कंपनी में अपनी पूरी शेयरहोल्डिंग (जो कंपनी की प्रदत्त शेयर पूंजी के 8.30% के बराबर है) को अरावली इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स (''अधिग्रहणकर्ता'') को बेचने हस्तांतरण करने का इरादा रखते है, कारण कि विक्रेताओं ने कंपनी में अपने निवेश से बाहर निकलने का फैसला किया है। विक्रेताओं द्वारा हस्तांतरण के परिणामस्वरूप, अधिग्रहणकर्ता और उसके सहयोगी, नामित वेस्टब्रिज क्रॉसओवर फंड, एलएलसी (सामूहिक, **''वेस्टब्रिज''**) कंपनी का नियंत्रण हासिल कर लेंगे और कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-स्वतंत्र निदेशकों के बहुमत को नियुक्त करने के लिए भी हकदार होंगे।

उपरोक्त लेनदेन के संबंध में किसी भी संचार/आपत्ति (आपत्तियां) कंपनी के पंजीकृत कार्यालय छठीं मंजिल, प्लॉट सं 15, सेक्टर-44, संस्थानिक क्षेत्र, गुरुग्राम, हरियाणा- 122002 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 (तीस) दिनों के भीतर भेज सकता है।

यह सार्वजनिक सूचना कंपनी, विक्रेता और अधिग्रहणकर्ता द्वारा संयुक्त रूप से जारी की जा रही है।

कंपनी और उसकी तरफ से
हस्ता/-
इंडिया शेल्टर फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड
प्रस्तावित अधिग्रहणकर्ता के लिए और उसकी ओर से
हस्ता/-
अरावली इंवेस्टमेंट होल्डिंग्स
विक्रेताओं के लिए और उसकी ओर से
हस्ता/-
सिकोइया कैप्टिल इंडिया ग्रोथ इन्वेस्टमेंट्स I
सिकोइया कैप्टिल इंडिया ग्रोथ इन्वेस्टमेंट्स III

दिनांक: 16.09.2021
स्थान: गुरूग्राम

ARSS INFRASTRUCTURE PROJECTS LIMITED
Regd. Office : Plot No.-38, Sector-A, Zone-D, Mancheswar Industrial Estate, Bhubaneswar, Odisha - 751010
Corp. Office : ARSS Mall, Plot no-40, Community Centre, Block-A,Paschim Vihar,Opp-Jwalaheri Market, New Delhi - 110063
Tel No.: +91-0674-2602763, E-mail : cs@arssgroup.in, Website: www.arssgroup.in, CIN: L14103OR2000PLC006230

EXTRACT OF UNAUDITED STANDALONE AND CONSOLIDATED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER ENDED ON JUNE 30, 2021
Key numbers of Financial Results **(Rs. in Lakhs)**

Sl. No.	Particulars	Standalone				Consolidated			
		Quarter ended			Year ended	Quarter ended			Year ended
		June 30, 2021 (Un Audited)	March 31, 2021 (Un Audited)	June 30, 2020 (Un Audited)	March 31, 2021 (Audited)	June 30, 2021 (Un Audited)	March 31, 2021 (Un Audited)	June 30, 2020 (Un Audited)	March 31, 2021 (Audited)
1.	Total Revenue from Operations	5,944.52	9,209.67	4,128.04	24,845.68	5,944.52	9,209.67	4,128.04	24,845.68
2.	Net Profit / (Loss) (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	(1,981.95)	552.07	38.74	(5,060.51)	(1,981.95)	552.07	38.74	(5,060.51)
3.	Net Profit/(Loss) before Tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(1,981.95)	552.07	38.74	(5,060.51)	(1,976.68)	596.39	51.46	(4,989.85)
4.	Net Profit / (Loss) after Tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(2,046.05)	495.22	111.19	(5,265.95)	(2,040.78)	274.56	123.91	(5,195.29)
5.	Total Comprehensive Income [Comprising Profit / (Loss) after Tax and Other Comprehensive Income after tax]	(2,046.05)	495.22	111.19	(5,265.95)	(2,040.78)	274.56	123.91	(5,195.29)
6.	Equity Share Capital	2,273.80	2,273.80	2,273.80	2,273.80	2,273.80	2,273.80	2,273.80	2,273.80
7.	Earnings per share (of ₹10/- each) Basic & Diluted (Rs.)	(9.00)	2.18	0.49	(23.16)	(8.98)	1.21	0.54	(22.85)

Notes:

a) The above financial results of the Company for the quarter ended June 30, 2021 have been reviewed and recommended by the audit Committee and approved by the Board of Directors of the Company in their respective meetings held on September, 15, 2021. These results are being published in accordance with Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

b) The above is an extract of the detailed format of the Statement of Unaudited Standalone and Consolidated Financial Results for the quarter ended on June 30, 2021 filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obilgation and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Statements of Unaudited Standalone and Consolidated Financial Results for the quarter ended on 30th June, 2021, are available on the website of the Stock Exchanges - **www.bseindia.com** and **www.nseindia.com** as well as on the website of the Company - **www.arssgroup.in.**

For and on behalf of the Board of Directors
ARSS Infrastructure Projects Limited
Sd/-
Rajesh Agarwal
Managing Director (DIN-00217823)

Date : 15 September, 2021
Place : Bhubaneswar